10. जल संरक्षण तकनीकें

☐ जैसलमेर में पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित मौलिक पारम्परिक वर्षा जल संचयन पद्धति का नाम है- [द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014] [पशुधन सहायक परीक्षा - 21.10.2018] [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]

(1) बावड़ी (2) खड़ीन (3) कुण्ड (4) उकेरी

Ans. (2)

व्याख्या -जैसलमेर जिले में खड़ीन (मूलतः जैसलमेर के कृषक ब्राह्मण पालीवालों द्वारा विकसित वर्षा के पानी को एकत्रित करने के लिए अपनाया जाने वाला तरीका) सिंचाई का अच्छा साधन है। कृषि भूमि के ढाल के विपरीत दिशा में मिट्टी का बाँध बनाकर पानी का संग्रहण किया जाता है। जैसलमेर के उत्तर में स्थित बड़ी संख्या में प्लाया झीलों, जिन्हें खड़ीन कहा जाता है, से नमक का उत्पादन होता है।

☐ निम्न में से कौनसी परम्परागत जल संरक्षण की विधि नहीं है? [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) नाड़ी (2) खड़ीन (3) तालाब (4) टांका

Ans. (3)

व्याख्या - परम्परागत जल संरक्षण की विधियाँ -

• मदार • नेहटा (नेष्टा) • खड़ीन

• नाड़ी - नाड़ी एक प्रकार का पोखर होता है, जिसमें वर्षा जल संचित होता है।

• टांका - इनका निर्माण खेतों, घरों, गढ़ों तथा किलों में वर्षा जल के संग्रहण हेतु किया जाता रहा है।

• टोबा- यह भी नाड़ी के समान पोखर होता है जो नाड़ी से गहरा होता है।

• झालरा- यह बावड़ी की तरह सीढ़ीनुमा आयताकार जल संरक्षण संरचना है जिसमें तीन तरफ सीढ़ियाँ होती हैं। झालरा में अपने से ऊँची झील, तालाब, बाँध आदि से पानी रिस-रिस कर आता है।

• बावड़ी -राजस्थान में प्राचीन समय से ही जल संग्रहण एवं जल प्राप्ति हेतु बनाये गये सीढ़ीदार वृहत् कुएँ बावड़ी कहलाते हैं।

• कुई या बेरी- इसका निर्माण तालाब आदि के पास किया जाता है ताकि उनका पानी रिसकर इनमें इकट्ठा हो जाए जिसे पेयजल आदि के काम में लिया जा सके। ये 10-12 मी. गहरी होती है।

• जोहड़- शेखावाटी क्षेत्र में कच्चे व पक्के कुओं का निर्माण जल प्राप्ति हेतु किया जाता है जिसे 'जोहड़' या 'नाड़ा' के नाम से जाना जाता है।

• पालर पाणी- राज्य के ग्रामीण अंचलों में संचित वर्षा जल (पालर पानी) के प्रति विशेष लगाव है। इसमें वर्षा जल को मकानों में टैंक बनाकर संगृहीत किया जाता है, जिसे पालर पानी कहते हैं। यह पानी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पेयजल का प्रमुख स्रोत है। अब राज्य सरकार ने नये बनने वाले सभी सरकारी भवनों व निजी भवानों में वर्षा जल को संरक्षित करने हेतु वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित करना अनिवार्य कर दिया है।

☐ कौनसी राजस्थान में जल संरक्षण की परम्परागत विधि नहीं है-[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020] [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) नाली (2) नाड़ी (3) टोबा (4) जोहड़

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ निम्न में से कौन-सा एक राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण की परम्परागत विधि है?[RTET Level-II, 2012]

(1) तालाब (2) कुआँ (3) नदी (4) टांका

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ 'टांका' और 'खड़ीन' प्रकार है- [अन्वेषक-27.12.2020] [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]

(1) आदिवासी युद्धकौशल (2) आदिवासी बोलियाँ

(3) कृषि पद्धतियाँ (4) परम्परागत जल संरक्षण संरचनाएँ

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ शेखावाटी क्षेत्र में स्थानीय भाषा में कुएँ को क्या कहते है? [जेल प्रहरी-2017] [Police Constable-2005]

(1) जोहड़ (2) बावड़ी (3) बेरा (4) खूं

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ शेखावाटी के अन्तःप्रवाही क्षेत्र में निर्मित कच्चे जल स्रोत को किस नाम से जाना जाता है? [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) सीधी भर्ती परीक्षा- 26.03.2019]

(1) कुआँ (2) तालाब (3) कुण्ड (4) नाड़ा

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ निम्न में से कौनसा संरचना तालाब का छोटा रूप है जो अधिकांशतः पश्चिमी राजस्थान में पायी जाती है? [पशु परिचर-1.12.2024 (S-I)]

(1) खड़ीन (2) झील (3) बेरी (4) नाड़ी

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ कौनसा राजस्थान में जल संरक्षण का एक परम्परागत तरीका नहीं है- [कनिष्ठ अनुदेशक -4.1.2025]
(1) टोबा (2) टांका (3) ताडी (4) नाड़ी
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के शुष्क व अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में 'पालर-पानी' शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है? [REET (Level - II, S-I) -24.07.2022]
(1)नदी जल(2) भूमिगत जल(3) नहरी जल(4) वर्षा जल
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के थार रेगिस्तानी क्षेत्र में सामान्यतया.... के लिए 'टांका' एक परम्परागत तकनीक है। [CET-G (S-I) - 28.09.2024]
(1) कृषि (2) वर्षा जल संग्रहण
(3) पशु पालन (4) कृषि औद्योगिक कार्य प्रणाली
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ 'लेवा तालाब' नामक वर्षाजल संग्रहण संरचना किसमें स्थित है? [Lab Asst. (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) कोटा (2) बारां (3) बूँदी (4) भीलवाड़ा
Ans. (2)

❑ वर्षाजल संग्रहण करने वाला रानीसर टाँका कहाँ स्थित है? [Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (II)]
(1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) बीकानेर
Ans. (2)

❑ राजस्थान में जल संरक्षण के लिए 'अमृतम् जलम्' ..... का अभियान है- [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) राजस्थान पत्रिका (2) राजस्थान संदेश
(3) जय राजस्थान (4) दैनिक भास्कर
Ans. (1)

❑ ......राजस्थान की 'चौका प्रणाली' का मुख्य उद्देश्य है- [CET-G (S-I) - 28.09.2024]
(1) मधुमक्खी पालकों को सहयोग करना
(2) पशु पालक को बढ़ाना
(3) पानी की कम उपलब्धता वाले क्षेत्रों में पानी के संसाधनों का प्रबंधन करना
(4) राजस्थान में भोजन प्रणाली का प्रबंधन करना
Ans. (3)

❑ 'डिग्गी' निर्माण क्या है-[CET (10+2) : 23.10.2024 (II)]
(1) कृषि की एक नई पद्धति
(2) हथकरघा की एक तकनीक
(3) नहर कमान क्षेत्र में फसलों और कृषि गतिविधियों के लिए अधिशेष जल बहाल करने का अभियान
(4) सिंचाई के लिए पाइपलाइन का निर्माण
Ans. (3)

❑ जल शक्ति मंत्रालय ने 'जल शक्ति अभियान' की शुरुआत 'वर्षा को पकड़ों-जहाँ यह गिरे, जब यह गिरे' थीम के साथ की है।
निम्नलिखित में से कौनसे अभियान की प्रमुख मध्यस्थता है-
1. जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन
2. पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों का नवीनीकरण
3. बोरवैलों का पुनः उपयोग और पुनर्भरण
4. वाटर शेड विकास
5. गहन वनरोपण [पशु परिचर-1.12.2024 (S-I)]
(1) 2, 3, 4 और 5 (2) 1, 2, 3, 4, 5
(3) 1, 2, 3 (4) 2, 3, 4
Ans. (2)

❑ 'जल शक्ति अभियान : कैच द रेन, 2023' की विषयवस्तु कौनसी है? [CET-G (S-I) - 28.09.2024]
(1) जल बचाओ-पृथ्वी बचाओ
(2) सभी के लिये पीने का पानी
(3) पेयजल के लिए स्रोत की निरंतरता (सस्टेनेबिलिटी)
(4) हमारे जल निकाय बचाओ हमारे ग्रह को बचाओ
Ans. (3)

व्याख्या - जल शक्ति अभियान 2024 थीम - नारी शक्ति से जल शक्ति।

क्या आप जानते हैं?

• जल संग्रहण की भंडारण संरचनाओं को दो भागों में विभक्त कर सकते हैं-1. वर्षा जल आधारित - टांका, नाड़ी, जोहड़, खड़ीन, तालाब, कुंई या बेरी, टोबा आदि।
2. भू-जल आधारित - कुएँ एवं बावड़ी।
• वर्तमान में 'रूफ टॉप जल संचयन' एवं 'वाटर हार्वेस्टिंग' तकनीकें बहुत प्रचलित हैं। 'रूफ टॉप जल संचयन' विधि में घर की छत पर गिरे वर्षा के जल को घर के नीचे बने कुएँ में एकत्र किया जाता है। वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक द्वारा वर्षा के व्यर्थ बहने वाले जल को भूमिगत किया जाता है।
(स्रोत : RBSE, Class 6,पृष्ठ- 41)

Scanned with OKEN Scanner